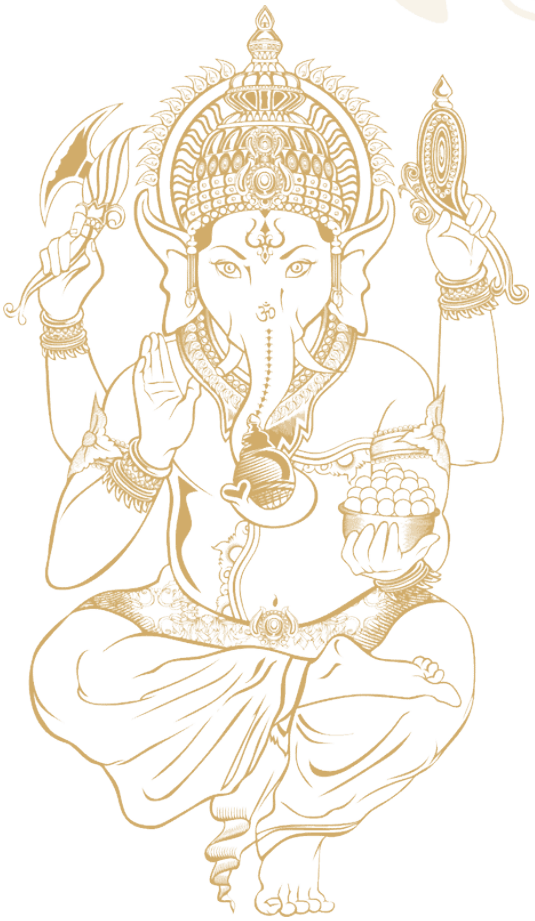

31 May 2015

04:33 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121332102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/05/2015**
दिन	रविवार
जन्म समय	**16:33:00 घंटे**
इष्ट	27:52:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:11:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:23 घंटे
साम्पातिक काल	08:46:23 घंटे
सूर्योदय	05:24:07 घंटे
सूर्यास्त	19:13:37 घंटे
दिनमान	13:49:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	15:37:25 वृष
लग्न के अंश	12:14:17 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	परिघ
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:14:17	310:07:33	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			वृष	15:37:25	00:57:30	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	19:07:05	12:34:09	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	वृष	19:27:43	00:41:30	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	वृष	14:28:28	00:33:43	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	22:28:37	00:08:20	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	00:49:16	01:00:04	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		वृश्चि	06:56:31	00:04:24	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	14:12:07	00:06:05	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:12:07	00:06:05	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मीन	25:13:01	00:02:27	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
नेप			कुंभ	15:42:21	00:00:23	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	21:01:09	00:01:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	15:05:28	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:22

लग्न-चलित

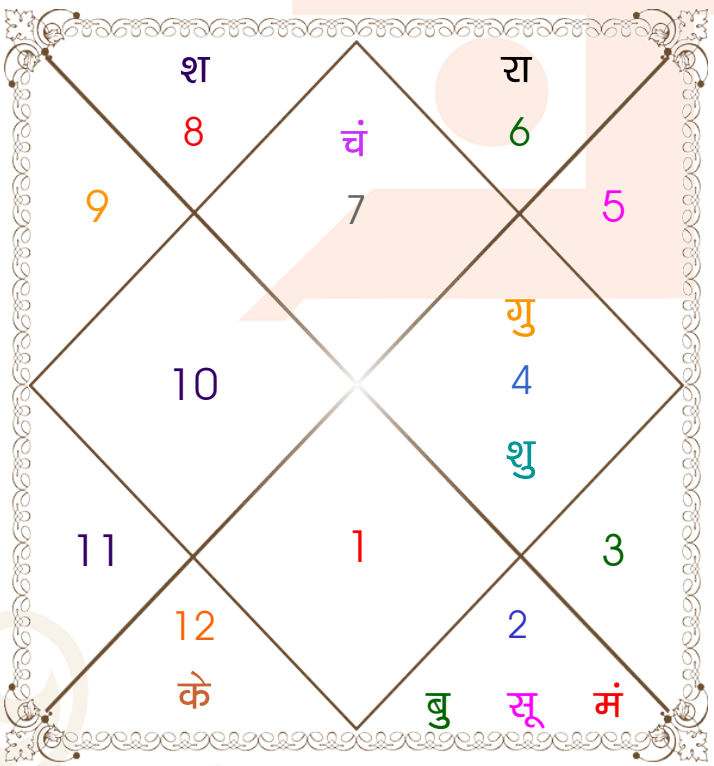

चन्द्र कुंडली

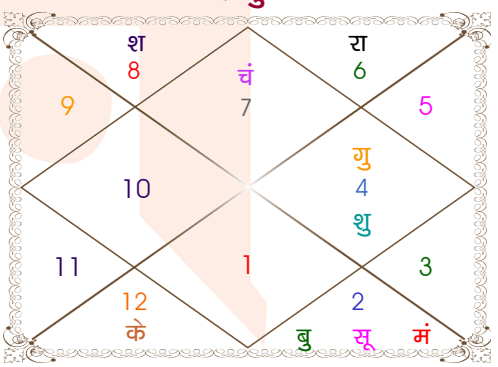

नवमांश कुंडली

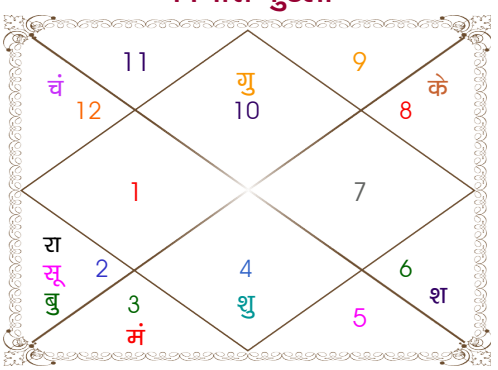

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 1 वर्ष 2 मास 8 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
31/05/2015		08/08/2016		08/08/2032		09/08/2051		08/08/2068	
08/08/2016		08/08/2032		09/08/2051		08/08/2068		09/08/2075	
	00/00/0000	गुरु	26/09/2018	शनि	12/08/2035	बुध	04/01/2054	केतु	04/01/2069
	00/00/0000	शनि	09/04/2021	बुध	21/04/2038	केतु	02/01/2055	शुक्र	06/03/2070
	00/00/0000	बुध	15/07/2023	केतु	31/05/2039	शुक्र	01/11/2057	सूर्य	12/07/2070
	00/00/0000	केतु	20/06/2024	शुक्र	30/07/2042	सूर्य	08/09/2058	चंद्र	10/02/2071
	00/00/0000	शुक्र	19/02/2027	सूर्य	12/07/2043	चंद्र	07/02/2060	मंगल	09/07/2071
	00/00/0000	सूर्य	09/12/2027	चंद्र	10/02/2045	मंगल	04/02/2061	राहु	27/07/2072
	31/05/2015	चंद्र	09/04/2029	मंगल	21/03/2046	राहु	24/08/2063	गुरु	03/07/2073
चंद्र	21/07/2015	मंगल	15/03/2030	राहु	25/01/2049	गुरु	29/11/2065	शनि	12/08/2074
मंगल	08/08/2016	राहु	08/08/2032	गुरु	09/08/2051	शनि	08/08/2068	बुध	09/08/2075

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/08/2075		09/08/2095		09/08/2101		10/08/2111		10/08/2118	
09/08/2095		09/08/2101		10/08/2111		10/08/2118		00/00/0000	
शुक्र	08/12/2078	सूर्य	26/11/2095	चंद्र	10/06/2102	मंगल	06/01/2112	राहु	22/04/2121
सूर्य	09/12/2079	चंद्र	27/05/2096	मंगल	09/01/2103	राहु	23/01/2113	गुरु	15/09/2123
चंद्र	08/08/2081	मंगल	02/10/2096	राहु	10/07/2104	गुरु	30/12/2113	शनि	22/07/2126
मंगल	08/10/2082	राहु	27/08/2097	गुरु	09/11/2105	शनि	08/02/2115	बुध	08/02/2129
राहु	08/10/2085	गुरु	15/06/2098	शनि	10/06/2107	बुध	05/02/2116	केतु	26/02/2130
गुरु	08/06/2088	शनि	28/05/2099	बुध	08/11/2108	केतु	03/07/2116	शुक्र	26/02/2133
शनि	09/08/2091	बुध	03/04/2100	केतु	09/06/2109	शुक्र	03/09/2117	सूर्य	21/01/2134
बुध	09/06/2094	केतु	09/08/2100	शुक्र	08/02/2111	सूर्य	08/01/2118	चंद्र	01/06/2135
केतु	09/08/2095	शुक्र	09/08/2101	सूर्य	10/08/2111	चंद्र	10/08/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 1 वर्ष 2 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।